दादी के श्रद्धा में उमड़ा जन सैलाब

आबू रोड, 25 अगस्त। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की द्वितीय पुण्य तिथि को वैश्विक भाईचारे के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इसमें देश विदेश से दस हजार लोगों ने श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि दी तथा पूरे विश्व में भाईचारा स्थापन करने का दृढ़ संकल्प लिया।

प्रात: काल ब्रह्ममुहुर्त से ही ध्यान योग साधना का कार्यक्रम चलता रहा। प्रात: 7 बजे संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने आध्यात्मिक प्रवचन सुनाये। इसके पश्चात 8 बजकर 15 मिनट से स्वर्गीय राजयोगिनी दादी प्रकाशमणिजी के यादगार में निर्मित प्रकाश स्तम्भ पर पहुंची। उनके साथ संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, संस्था के महासचिव ब्र0 कु0 निर्वेर, ब्र0 कु0 बृजमोहन, ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र0 कु0 मोहिनी, कार्यक्रम आयोजिका ब्र0 कु0 मुन्नी, ईशू दादी के साथ संस्था के मीडिया प्रवक्ता, ब्र0 कु0 करूणा, संस्था के कार्यकारी अधिकारी ब्र0 कु0 मृत्युंजय, शान्तिवन प्रबन्धक ब्र0 कु0 भूपाल, अमेरिका से आयी डा0 हंसा रावल के साथ देश के कई हिस्सो से आये विशिष्ट अतिथियों ने प्रकाश स्तम्भ पर पहुंचे तथा पांच मिनट मौन के पश्चात मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी तथा अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी सहित सभी पदाधिकारियों ने पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। इसके साथ ही दादी प्रकाशमणि के यादों के गीत बजे और देश भर से आये हजारों लोगों ने बारी बारी से श्रद्धांजलि अर्पित की।

ये भी आये: दादीजी के श्रद्धा में विदेशों के रूस, अमेरिका, लंदन, आस्ट्रेलिया, कनाडा आदि से भी लोगों ने उपस्थिति होकर अपने-अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। लम्बे समय तक दादी के इलाज करने वाले मुम्बई से डाक्टर ने भी आकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। दादीजी के श्रद्धांजलि के लिए घंटो तक लोगों की लम्बी कतारे लगी रही। इतने भारी भीड़ होने के बावजूद माहौल बिल्कुल शांत और एकाकीपन भरा रहा।

दादी के संस्मरण सुनाये प्रात: 11 बजे डायमंड के विशाल सभागृह में आयोजित संस्मरण कार्यक्रम में संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी तथा वरिष्ठ दादियों ने अपने-अपने दादी के साथ बितायें अनुभवों को लोगों के समक्ष साझा किया। श्रद्धांजलि सभा देखने के लिए लोग घरों की छतो पर चढ़ गये।